(ii) INADEQUATE OFF-TAKE OF PADDY AT SUPPORT PRICES

SHRI P. RAJAGOPAL (Chittoor): Mr. Chairman, Sir, though the Government fixed a price of Rs. 105 a quintal of paddy, in many parts of the country it is not sold at that rate. For example, there are no buyers in Muzaffarnagar and Sultanpur in U.P. to buy paddy even at a price of Rs. 92 a quintal. This is quite unfortunate and distressing.

The Government and the FCI are not able to cope up with the ever-increasing production of paddy. It will even increase with the increase of irrigation and better research results.

It is not that there is no demand for rice. There is an ever-increasing demand for it in foreign countries. We are not planning properly for the utilisation of surplus foodgrains, especially rice. We are not making proper arrangements for storing, milling and procuring them. We are not providing enough money to purchase them.

Unless there is a legislation for compulsory purchase of surplus agricultural commodities for which support prices are published, there will be no use of publishing them. They will be only on paper without any use for the farmers.

(iii) STEPS TO PROVIDE ELECTRICTY TO FARMERS IN UTTAR PRADESH

श्री जैनुल बशर (गाजीपुर) : सभापति महोदय, उत्तर प्रदेश इस समय बिजली के गम्भीर संकट मे गुजर रहा है। बिजली न मिलने के कारण प्रदेश में रबी के बुवाई-अभियान को गहरा धक्का लगा है। वैसे तो उत्तर प्रदेश की सरकार छः घंटे किसानों को बिजली देने की बात कहती है, परन्तु वास्तव में उन्हें दो-तीन घन्टे से अधिक बिजली नहीं मिलती। पिछले वर्ष के भयंकर सूखे और इस वर्ष के बाढ़ के प्रकोप के कारण किसानों की कमर टूट चुकी है। यदि इस वर्ष भी बुआई और सिचाई के लिए आवश्यक मात्रा में बिजली उपलब्ध नही करायी गई, तो वहां के किसानों की आर्थिक शक्ति समाप्त-प्रायः हो जायेगी।

केन्द्रीय सरकार और विशेषकर ऊर्जा मंत्री से मेरा निवेदन है कि इस संकट के समय वे उत्तर प्रदेश की तरफ सहायता का हाथ बढ़ायें। केन्द्रीय तथा अन्य स्रोतों से उत्तर प्रदेश को उसकी आवश्यकतानुसार तत्काल बिजली उपलब्ध कराई जाये तथा वहां बिजली का संकट समाप्त कराने के लिए कारगर कदम उठाये जायें।

(iv) NEED TO ALLOT RAILWAY WAGONS IMMEDIATELY TO CARRY FERTILIZERS TO BIHAR FROM PORTS

श्री रामवतार शास्त्री (पटना) : सभापति महोदय, इस वर्ष बिहार में धान की फसल गत वर्ष की तुलना में अच्छी है। फिर भी हथिया नक्षत्र में वर्षा न होने के कारण धान की फसल को क्षति उठानी पडी है। जगह जगह पानी के अभाव मे धान का मारा पडा है। साथ ही जमीन में नमी के अभाव मे रबी की फसल की बुआई में भी कठिनाई हुई है। बिजली के अभाव में किसान नलकूपो का भी इस्तेमाल नही कर सके।

रबी की फसल अच्छी हो, इसके लिए पानी और खाद दोनों की आवश्यकता है। इस लिए बिहार सरकार ने भारत सरकार से एक अत्यावश्यक पत्र (एस० ओ० एस०) के द्वारा अनुरोध किया है कि हल्दिया, पारादीप, मद्रास और बम्बई की बंदरगाहों से 60 हजार मीट्रिक टन खाद की ढुलाई